a2zpapers.com

Exam. Code : 108005
Subject Code: 1976

B.A. (Hons.) 5th Semester

HINDI (Bhakti & Samkalin Kavya)

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—100

निर्देश :— यह प्रश्न-पत्र **तीन** भागों में बँटा हुआ है। निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

भाग—I

निम्नलिखित सभी **दस** प्रश्न अनिवार्य हैं :—

1. मोहन सपरा की कविता 'अंधेरे नगर में' का सारांश लिखिए।
2. मोहन सपरा की कविता 'तुम कहते हो-प्रेम' में प्रेम का स्वरूप क्या है ?
3. मोहन सपरा के कृतित्व पर प्रकाश डालिए।
4. तुलसीदास की किन्हीं दो प्रसिद्ध कृतियों के नाम लिखिए।
5. तुलसी किस काल और धारा के कवि हैं ?
6. रसखानि किस धारा के कवि हैं ?
7. तुलसी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।
8. रसखानि की भक्ति भावना कैसी है ?
9. हरमहेन्द्र सिंह बेदी की कविताओं का उद्देश्य लिखिए।
10. 'भीड़ का दर्द' कविता में हरमहेन्द्र सिंह बेदी क्या कहना चाहते हैं ?

10×2=20

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
oad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab

a2zpapers.com

भाग—II

यह भाग **दो** उपभागों में बँटा है। निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :—

उपभाग—(क)

निम्नलिखित में से कोई **चार** सप्रसंग व्याख्याएं कीजिए :

(1) मेरे मित्र।

मेरे शहर में सारे रिश्ते
तेजी से तबदील हो रहे हैं,
बहुत बार सोचता हूँ ;
क्या मेरी बाँहें पुल की तरह फैल सकेंगी ?
क्या मेरी आँखें इन्द्रधनुषी सपनों के लिए सागर बन सकेंगी ?

(2) शहर नहीं बुलाता
मैं ही जाता हूँ !
और लौट आता हूँ !
दुम कटे कुत्ते सा !
सभी अर्थों में
मैं ही क्यों खुलूँ ?

(3) वा लकुटी अरु कामरिया पर राज तिहूँ पुर को तजि डारौं।
आठहु सिद्धि नवौ निधि को सुख नंद की गाइ चराइ बिसारौं।
ए रसखानि जबै इन नैनन तैं ब्रज के बन-बाग निहारौं।
कोटिक ये कलधौत के धाम करील की कुंजन ऊपर वारौं।

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
oad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab

a2zpapers.com

(4) जो रसना रस ना बिलसै तेहि देहू सदा निज नान उचारन।
मो कर नीकी करैं करनी जु पै कुंज-कुटीरन देहु बुहारन।
सिलि समृद्धि सबै रसखानि लहौं ब्रज-रेनुका-अंक-सँवारन।
खास निवास मिलै जु पै वही कालिंदी-कूल कदंब की डारन।

(5) वेदविरुद्ध महीमुनि साधु, सशोक किए सुरलोक उजारयो।
और कहा कदौं तीय हरी, तबहूँ करुणाकर कौप निवारयो।
सेवक छोडते छाँड़ि क्षमा, तुलसी लख्यो राम सुभाव तिहारयो।
तौलौं न दाप शल्यो दशकन्धर, जौलौं विभीषण लात न मारयो।

(6) कौशिक की चलत पषाण की परस पायँ,
टूटत धनुष बनिगई है जनककी।।
कोल पशु शवरी विहंग भालु रातिचर,
रतिन के लालचिन प्रापती मननकी।।
कोटिकलाकुशल कृपाल नतपाल बलि,
बातहू कितेक तृण तुलसी तनककी।।
राय दशरथ के समर्थ राम राजमणि,
तेरे हेरे लोपै लिपि विधिहू गणककी।।

4×6=24

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
oad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab

a2zpapers.com

उपभाग—(ख)

निम्नलिखित छः प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) मोहन सपरा की कविताओं की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

(2) रसखान काव्य में निरूपित प्रेम का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

(3) तुलसी की भक्तिभावना पर प्रकाश डालिए।

(4) 'एक नई शुरुआत' कविता का आशय स्पष्ट कीजिए।

(5) 'भगत सिंह ज़िदा है' कविता का केन्द्रीय भाव स्पष्ट कीजिए।

(6) 'आओ, गुफ्तगू करें' कविता का आशय समझाइए।

4×6=24

भाग—III

निम्नलिखित में से कोई **दो** प्रश्न कीजिए :

(1) तुलसी काव्य के कथ्य और भाषा पर विचार कीजिए।

(2) रसखानि काव्य की विशेषताएं लिखिए।

(3) मोहन सपरा के काव्य के भाव पक्ष और भाषा पर विचार कीजिए।

(4) हरमहेन्द्र सिंह बेदी के काव्य की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए।

2×16=32

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
oad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab